Title: Need to move the main office of the Haj Committee from Mumbai to Delhi to facilitate the journey of the Haj Pilgrims.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान से प्रति वर्ा भारी संख्या में लोग हज यात्रा करने के लिए जाते हैं। उनका पासपोर्ट और वीजा बनता है। लगभग एक लाख बीस हजार लोग इस वर्ा भी हज यात्रा करने के लिए गये हैं। लेकिन इस बार जो सबसे दुखद बात है वह यह है कि समस्त औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद भी काफी संख्या में लोग हज यात्रा करने से वंचित रह गये।â€¦ (व्यवधान) जो लोग हज यात्रा करने के लिए जाते हैं, उन्हें विदा देने के लिए उनके परिवारजन, शुभचिंतक, मित्र और सहयोगी लोग दिल्ली आते हैं। वायदा करने के बाद, उन्हें भरोसा दिलाने के बाद लोग दिल्ली एयरपोर्ट पर आयें, हफ्तों दिल्ली में पड़े रहें और फिर वे हज यात्रा करने नहीं जा सकें, यह अत्यंत दुखद बात है। मैं एक बात बड़ी विनम्रता के साथ सरकार से कहना चाहता हूं कि वहां रियाल की कीमत 12 रुपये 40 पैसे हैं। लेकिन यहां हज कमेटी से जो रियाल मिलता है उसकी कीमत 13 रुपये 30 पैसे है। हालत यह है कि जिन लोगों से वायदा किया जाता है कि आपको हज के लिए हम ले जायेंगे। जो लोग जाते हैं,छ:-सात महीने पहले उनका पैसा जमा करा लिया जाता है और जब वे नहीं जा पाते हैं तो पैसा वापसी में वर्ाों लग जाते हैं, उसके बावजूद भी उनका पैसा वापस नहीं हो पाता है। यह पैसा कहां रखा जाता है, इसका ब्याज कहां जाता है। निश्चित रूप से यह चिंता का विाय है। मैं कहना चाहूंगा कि .....

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार को क्या करना है, आप वह पूछिये। आपको इस बारे में क्या जानकारी चाहिए।

श्री रामजीलाल सुमन : 15 फरवरी को हज कमेटी के चेयरमैन श्री तनवीर अहमद को लोगों ने गुस्से में हज पर जाने नहीं दिया और तमाम लोग हज यात्रा करने से वंचित रह गये। सरकार अविलम्ब इस ओर ध्यान दे कि इसमें क्या कमियां और खामियां हैं, जिसकी वजह से लोगों को हज यात्रा से वंचित रखा गया। मेरी जानकारी में यह भी आया है कि हज का कार्यालय दिल्ली में हैं, उसे शायद मुम्बई ले जाने की कोई योजना सरकार के पास विचाराधीन है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा...

उपाध्यक्ष महोदय : आपको शायद इस बारे में जानकारी नहीं है, अभी वह मुम्बई में है।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली में हज का निदेशालय यहां है, रेल मंत्रालय यहां है, विदेश मंत्रालय यहां है और उत्तर भारत के 75 परसेन्ट लोग हज यात्रा करने के लिए जाते हैं। इस कार्यालय से लोगों को सुविधा है। इसके लिए आवश्यक है कि वह कार्यालय दिल्ली में ही हो। हज यात्रियों को ...

उपाध्यक्ष महोदय : आपको क्या पूछना है, भारत सरकार से पूछिये।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष जी, हज कमेटी का केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली में होना चाहिए और इस बार समस्त औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद भी जो लोग हज यात्रा से वंचित रह गये, उसकी जांच करनी चाहिए और उस पर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। धन्यवाद।